जनपद सहारनपुर की सपोर्टिव सुपरविजन विजिट आख्या

भ्रमण अवधि– दिनांक 25.09.2018 से 27.09.2018

मिशन निदेशक, एन0एच0एम0 द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में श्री सौरभ तिवारी, सलाहकार, अनुश्रवण एवं मुल्यांकन द्वारा दिनांक 25–27 सितम्बर 2018 के मध्य जनपद सहारनपुर का भ्रमण कर एल–3, एल–2 व एल–1 स्तर की स्वास्थ्य इकाईयों, नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा सामुदायिक गतिविधियों का अवलोकन किया गया। उक्त सहयोगात्मक पर्यवेक्षण में मो0 खालिद हुसैन, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक–एन0एच0एम0, श्री ब्रीजेश कुमार, जिला कम्युनिटी प्रासेस प्रबन्धक–एन0एच0एम0 के द्वारा प्रतिभाग किया गया। भ्रमण रिपोर्ट निम्नानुसार है–

ब्लाक लेखा प्रबंधक बैठक

दिनांक 25.09.2018 को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, जनपद सहारनपुर में जनपद के समस्त ब्लाक लेखा प्रबंधको की वित्तीय समीक्षा हेतु एक बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में निम्नवत् बिन्दु प्रकाश में आये –

अवलोकन बिन्दु	सुझाव / कृत सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
1. जनपद सहारनपुर में वित्तीय प्रगति कम हो रही है एवं उक्त के निम्नवत् कारण है–		
a. जिला लेखा प्रबंधक (डैम) का पद विगत कई माह से रिक्त चल रहा है। उक्त के कारण वित्तीय कार्य में काफी समस्याओं का सामना करना पड रहा है। उक्त दशा में मुख्य चिकित्साधिकारी के पत्रांक मुचिअ / एनएचएम / लेखा / 2018–19 / 17788–90 दिनांक 11.09.18 के माध्यम से जिला लेखा प्रबंधक की नियुक्ति हेतु अनुरोध किया गया है।	जिला लेखा प्रबंधक (डैम) का पद रिक्त होने की दशा में जिला डाटा एकाउण्ट असिस्टेंट द्वारा कार्य सम्पादित किया जाता रहे एवं शीघ्र ही डैम की नियुक्ति हेतु अग्रेत्तर कार्यवाही की जायेगी।	महाप्रबंधक (मानव संसाधन)
b. वित्त एवं लेखाधिकारी, कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी, जनपद सहारनपुर द्वारा भुगतान संबंधित बाउचर समय से हस्ताक्षर नही किये जा रहे है एवं किसी न किसी कारण से वापस कर दिया जाता है। लेखाधिकारी Second Signatory है एवं उनके हस्ताक्षर भुगतान हेतु अनिवार्य है। उक्त के कम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पत्रांक मुचिअ / एनएचएम / लेखाधिकारी / 2018–19 / 18171–75 दिनांक 15.09.18 के माध्यम से लेखाधिकारी को निर्देशित किया जा चुका है कि बिल वाउचरों का नियमित रूप से नियमानुसार दिशा निर्देश अनुरूप भुगतान संबंधी कार्यवाही करवाना सुनिश्चित करे किन्तु तद्दिनांक तक उनके व्यवहार में कोई परिवर्तन नही है।	लेखाधिकारी, कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी, जनपद सहारनपुर को समस्त दिशा–निर्देशों के साथ वाउचर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करे।यदि उसके उपरांत भी लेखाधिकारी के स्तर पर विलम्ब होता है तो कार्यवाही सुनिश्चित की जायें।	मुख्य चिकित्साधिकारी
2. ब्लाक लेखा प्रबंधको को बीजक / बाउचर समय से प्राप्त न होने के कारण व्यय 15–20 प्रतिशत है।	आशा / ए.एन.एम को समय से बाउचर उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया जाने का सुझाव दिया गया।	जिला कार्यक्रम प्रबंधक / कार्यवाहक जिला लेखा प्रबंधक
3. ग्राम प्रधानों का समर्थन न प्राप्त होने के कारण कई ब्लाकों में खाता नही खुल पाया है। 4. ब्लाक गंगोई में second signatory को जनपद में तैनात कर दिया गया एवं उक्त दशा में बीजकों / बाउचर को हस्ताक्षर कराने में विलम्ब होता है, जिस कारण भुगतान में विलम्ब होता है। 5. वी.एच.एन.सी / अनटाईड फन्ड का खर्चा बुक नही किया जा रहा है।	ग्राम प्रधानों के अभिमुखिकरण की आवश्यकता है। ब्लाक गंगोई में second signatory को एक दिवस ब्लाक पर तैनात करने की आवश्यकता है। ब्लाक लेखा प्रबंधकों द्वारा तुरत व्यय बुक कराने की आवश्यकता है।	मुख्य चिकित्साधिकारी / जिला कार्यक्रम प्रबंधक / कार्यवाहक जिला लेखा प्रबंधक

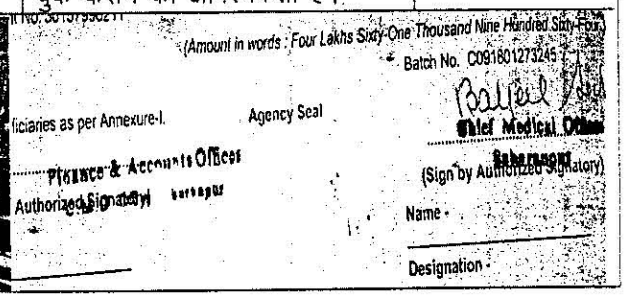

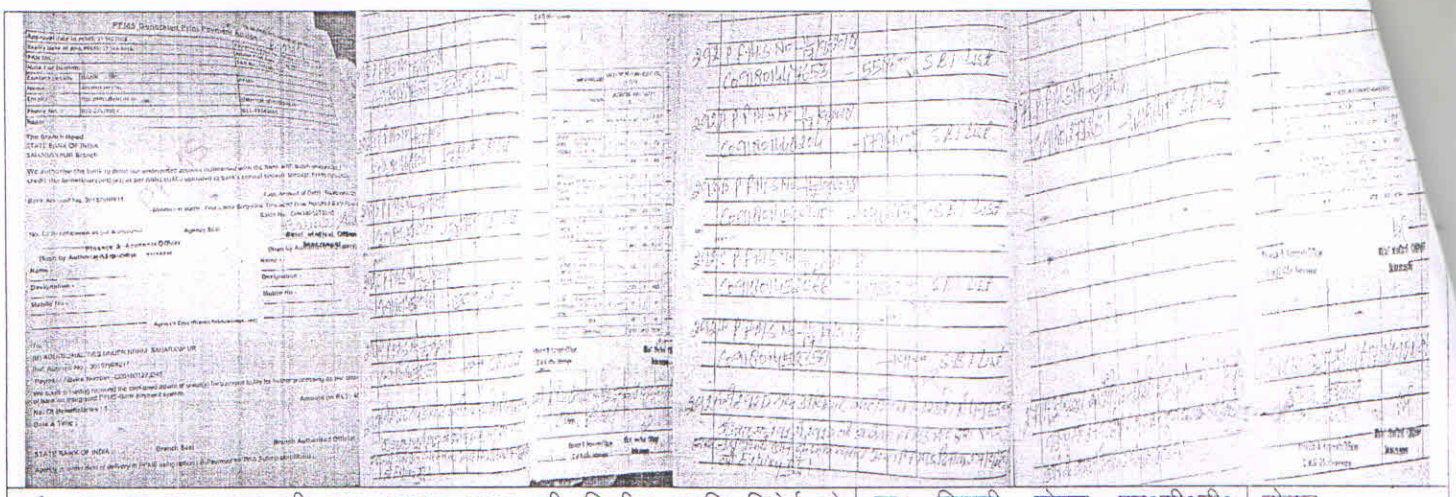

6. जनपद सहारनपुर की माह अगस्त 2018 की वित्तीय प्रगति रिपोर्ट के अनुसार National Mental Health programme में 1.55 प्रतिशत एवं National Tabacco Control Programme मे 21.21 प्रतिशत का व्यय हुआ है। उक्त के कम में ज्ञात हुआ कि पूर्व में NCD अनुभाग के प्रभारी डा0 संजय यादव थे एवं वर्तमान में प्रभारी डा0 त्रिपाठी तैनात है किन्तु NCD का व्यय कम होता जा रहा है।	डा0 त्रिपाठी, नोडल एन0सी0डी0 सेल Finance cum Logilistic Manager से समन्वय स्थापित करके मानकानुसार व्यय करते हुये खर्चा बुक कराने हेतु अग्रेत्तर कार्यवाही सुनिश्चित करें।	नोडल एन0सी0डी0 सेल
7. जिला अधिकारी महोदय की व्यस्तता के कारण माह सितम्बर 2018 में शासी निकाय की जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सम्पादित नही की जा सकी है। 8. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के पोर्टल पर अनुश्रवण एवं मूल्यांकन में DISHA की बैठको को अपलोड कराना आवश्यक है।	माह अक्टूबर 2018 के प्रथम सप्ताह में बैठक कराना एवं कार्यवत्त अपलोड कराना सुनिश्चित किया जाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी / जिला कार्यक्रम प्रबंधक

रक्त कोष

अवलोकन बिन्दु	सुझाव / सुधारात्मक कार्यवाही	दायित्व
ब्लड बैंक – माह जून 2018 में किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण में पाया गया था कि उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक जनपद सहरानपुर में Thalassemia से पीड़ित बच्चे है (लगभग 80–90)। उक्त पीड़ित बच्चों हेतु अलग से तीन बैड का वार्ड बनवाने की आवश्यकता है एवं कार्यरत स्टाफ जितेन्द्र एवं जुनेद को प्रशिक्षण की आवश्यकता है।	मुख्य चिकित्साधिकारी एवं बाल चिकित्सक के द्वारा Thalassemia से पीड़ित बच्चों हेतु बाल विभाग में अलग से Thalassemia वार्ड बना दिया गया है किन्तु अभी भी उसमें पर्दे / Seperator लगवाने की आवश्यकता है। कार्यरत स्टाफ को अभिलेखों एवं शासनादेश की सम्पूर्ण जानकारी की एवं प्रशिक्षण की आवश्यकता है।	मुख्य चिकित्साधिकारी / बाल स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी / ब्लड बैंक प्रभारी

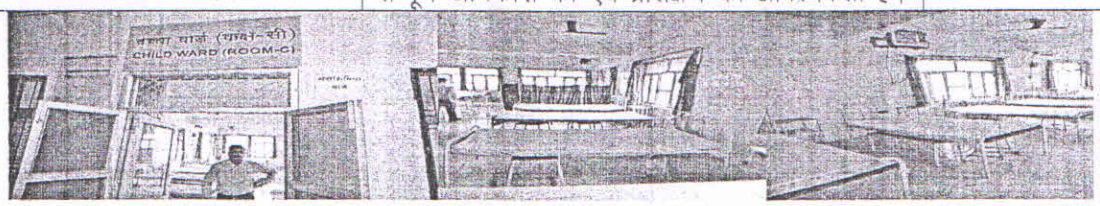

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र –नागल,
सम्पर्क अधिकारी– डा0 विकास पाल, चिकित्सा अधीक्षक।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव / कृत सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
मानव संसाधन		
चिकित्सा अधीक्षक द्वारा जानकारी दी गयी कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नागल में मात्र 01 चिकित्सक तैनात है एवं चिकित्सक की आवश्यकता है। चिकित्सा अधीक्षक महोदय इकाई को कायाकल्प के अनुरूप तैयार करने हेतु हर्बल गॉडेन आदि बनवाने के प्रयास में है।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी से चिकित्सको की तैनाती हेतु सुझाव दिया गया एवं रोगी कल्याण समिति आदि मद की धनराशि से कायाकल्प के अनुरूप इकाई का सुधार करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक

त्सालय परिसरः–		
में साफ–सफाई व्यवस्था संतोषजनक पायी गयी तु इमारत के प्रवेश द्वार के पास ही सीमेंट की बोरियां अनुपयोगी समान रखा पाया गया। शिकायत/सुझाव वं कंडोम बाक्स प्रथम तल पर लगे है किन्तु उनसे सम्बन्धित कोई भी अभिलेख नही हैं	अधिकारियों द्वारा रोस्टर प्लान बनाकर नियमित मानीटरिंग करने का सुझाव दिया गया। विकसित की गई चेकलिस्ट प्रदर्शित की गई एवं उक्त सामग्री को स्टोर पर रखावाने का सुझाव दिया गया। शिकायत/सुझाव एवं कंडोम बाक्स को नीचे लगवाने का सुझाव दिया गया ताकि रोगी उनका प्रयोग कर सकें। शिकायत रजिस्टर बनाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
सिटीजन चार्टर डिस्प्ले था। ई0डी0एल0 का प्रदर्शन किया गया था किन्तु अपडेट नही किया गया था। हेल्पडेस्क की व्यवस्था नहीं थीं।	अपडेट कराते हुए उचित स्थान पर डिस्प्ले करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
चिकित्सालय में प्रोटोकाल पोस्टर्स यथा स्थान नहीं लगे थे।	प्रोटोकाल पोस्टर्स यथास्थान पर लगवाये जाने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ
आई0ई0सी0:–		
परिसर में भ्रमण के दौरान समस्त कार्यक्रमों की विभिन्न आई0ई0सी0 उपलब्ध नहीं थी।	विभिन्न कार्यकमों की अपडेटेड आई0ई0सी0 जनपद स्तर से प्राप्त कर यथास्थान डिस्प्ले कराये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
बायोमेडिकल वेस्ट–		
चिकित्सालय में Colour Coded Bins उपलब्ध थीं। बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट पर सम्बन्धित स्टाफ का ओरिएण्टेशन कराये जाने की जरुरत है।	बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट पर सम्बन्धित समस्त स्टाफ का अभिमुखीकरण कराये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
मातृत्व स्वास्थ्यः–		
लेबर रूमः– लेबर रूम में सेवन (सात) ट्रे. एस0बी0ए0 प्रोटाकालपोस्टर्स, हैण्डवाशिंग एरिया आदि मानकानुसार पायी गयी, लेबलिंग नियमानुसार की गयी थी। पी0पी0एच0के प्रबन्धन के बारे में स्टाफ नर्सों को जानकारी नहीं थी। पार्टोग्राफ नहीं भरी जा रही थी। रेडियेण्ट वार्मर राड क्रियाशील है। प्रयोग हो चुके Gloves सुखते हुये पाये गयें।	एम0एन0एच0 टूल का अध्ययन करने व सेवन (सात) ट्रे. एस0बी0ए0 प्रोटाकालपोस्टर्स आदि लगवाने का सुझाव दिया गया। नियमित दवाएं चेक करने का एवं मानकानुसार भण्डार में दवाओं की एक्सापाइरी सूची सहित स्टोर करने सुझाव दिया गया। संक्रमण की दृष्टि से प्रयोग हो चुके Gloves को हटाने एवं पुनः प्रयोग न करने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ
ए0एन0सी0:– गर्भवती महिलाओं को दी जाने वाली समस्त सेवाओं की जानकारी ए0एन0एम0 को नहीं थी।	ए0एन0एम0 को जानकारी दी गई व सहायक सामग्रियों का नियमित अध्ययन करने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ
जननी सुरक्षा योजना:– के अन्तर्गत भुगतान का रजिस्टर लगभग 60 प्रतिशत रिक्त पाया गया। उक्त हेतु बताया गया कि उनके पास ससमय बाउचर नही उपलब्ध होने के कारण रजिस्टर पूर्ण नही है। पिछले माह कुल 77 प्रसव कराये गये। डायट रजिस्टर आदि मेण्टेन किये जा रहे हैं।	बाउचर उपलब्ध कराने हेतु समयबद्वत्ता अनिवार्य है एवं उक्त हेतु आशा/ए.एन.एम के अभिमुखिकरण कराने की आवयकता है। ससमय नियमित रूप से रजिस्टर को भरे जाने का सुझाव दिया गया। उक्त का नियमित निरीक्षण अधीक्षक महोदय के स्तर से होना अनिवार्य है। समस्त अभिलेखों को अद्यतन करने की आवश्यकता है।	चिकित्सा अधीक्षक/ सम्बन्धित स्टाफ नर्स एवं स्टाफ
बाल स्वास्थ्यः–		
टीका करण कक्ष के बाहर प्रचार–प्रसार सम्बन्धी प्रदर्शन पर्याप्त नहीं था।	आई0ई0सी0 सामग्री को यथा स्थान पर प्रदर्षित किया जाये।	सम्बन्धित स्टाफ
परिवार नियोजन–		
नसबन्दी लाभार्थियों के रिकार्ड भरे हुए देखने को मिले। मेडिकल रिकार्ड चेकलिस्ट भरी हुई पायी गयी।	रिकार्ड निर्धारित मुद्रित प्रपत्रों पर पूर्ण कर रखने का सुझाव दिया गया। विभिन्न कार्य{मों की मुद्रित सामग्री जनपद स्तर से प्राप्त कर सम्बन्धित को प्रदान किया जाए।	चिकित्सा अधीक्षक
गर्भनिरोधक साधनों को स्टॉक निर्धारित फार्मेट पर मेन्टेन नहीं किया जा रहा है।	तीन माह का बफर स्टाक रखते हुए समय पर जनपद से मांग की जाए।	सम्बन्धित स्टाफ

पी0पी0आई0यू0सी0डी0 इन्सर्शन हुए लाभार्थियों का फालोअप काफी कम हैं।	पी0पी0आई0यू0सी0डी0 इन्सर्शन हुए लाभार्थियों का फालोअप सुनिश्चित कराया जाए।	चिकित्सा अधीक्षक
जनपद स्तर से उपलब्ध कराया जाने वाला नसबन्दी का पैसा ए0एन0एम0 को नही प्राप्त होता पाया गया।	डी0सी0पी0एम0 द्वारा बताया गया कि ए0एन0एम0 के खाते अपडेट नही है। टीम द्वारा तत्काल समस्त ए0एन0एम0 के खाते अपडेट करने का सुझाव दिया गया।	ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक, ब्लाक वित्त प्रबंधक, जन वित्त प्रबंधक
आपरेशन थियेटरः–		
संक्रमण से बचाव के प्रोटोकाल्स फालो नहीं किये जा रहे थे। डिजिटेल घडी लगवाने की आवश्यकता है।	आपरेशन थियेटर मानक के अनुरुप मेण्टेन कराये जाने का सुझाव दिया गया।	ओ0टी0 इंचार्ज / चिकित्सा अधीक्षक
राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रमः–		
वाहनों पर कार्यक्रम का लोगो एवं बैनर नही लगा था। रजिस्टर में सम्पर्क नम्बर दर्ज नहीं थे। बेबी वजन मापने की मशीन क्रियाशील नही थी। शिकायत पुस्तिका उपलब्ध नहीं थी। आर0बी0एस0के0 की टीम में स्टाफ की कमी पायी गयी।	मानक अनुसार व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित अधिकारी / स्टाफ
आयुष–चिकित्सा इकाई में आयुष हेतु आयुर्वेदिक कक्ष स्थापित है एवं 01 आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट तैनात है। औषधियों की अनुपलब्धता के कारण फार्मासिस्ट मात्र काउंसलिंग कर रहे है।	जनपद से प्राप्त जानकारी के अनुसार औषधी के कय एवं भुगतान मे विलम्ब का कारण है कि विगत् कुछ माह से वित्त एवं लेखाधिकारी जो कि Second Signatory है के द्वारा किसी न किसी भहाने से हस्ताक्षर न करने के कारण भुगतान नही हो पा रहा है। उक्त के कम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पत्रांक मुचिअ / एनएचएम / लेखाधिकारी / 2018–19 / 18171–75 दिनांक 15.09.18 के माध्यम से लेखाधिकारी को निर्देशित किया जा चुका है।	मुख्य चिकित्साधिकारी / चिकित्सा अधीक्षक
औषधि वितरण केन्द्र – औषधि वितरण केन्द्र में रोगी भीड लगाकर दवाएं प्राप्त कर रहे थे। वितरण केन्द्र में औषधि की लैबलिंग नही की पायी गयी।	वितरण केन्द्र में महिलाओं एवं पुरूषों की अलग–अलग पंक्ति बनवाने का सुझाव दिया गया। एवं कर्मचारियों को लेंबलिंग करने एवं दवाओं के इक्सपाइरी की लिस्ट तैयार करने को कहा गया।	फार्मासिस्ट
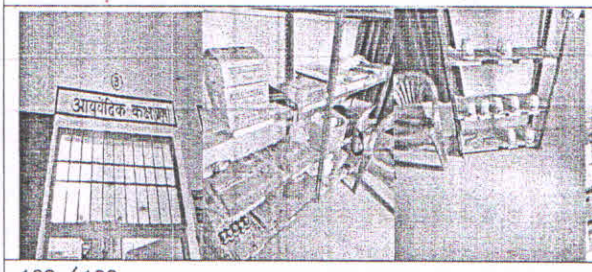	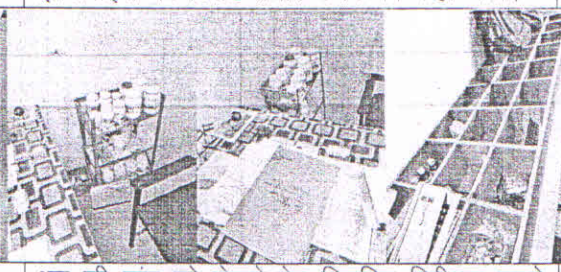	
108 / 102 108 एम्बूलेंस UP 41 G 0318 का निरीक्षण में पाया गया कि समस्त दवाएं उपलब्ध है एवं आक्सीजन सीलेडर आदि कियाशील है किन्तु कुछ रोगियों से हुयी वार्ता के अनुसार जनपद सहारनपुर में चालको द्वारा धन की मांग की जाती है।	धन की मांग को रोकने हेतु नियमित निरीक्षण करने की आवश्यकता है एवं यदि कोई दोषी पाया जाता है तो उसके विरूद्व कठोर कार्यवाही किया जाना अपेक्षित है।	ई0एम0डी / प्रोग्राम मैनेजर

संलग्न– चेकलिस्ट।

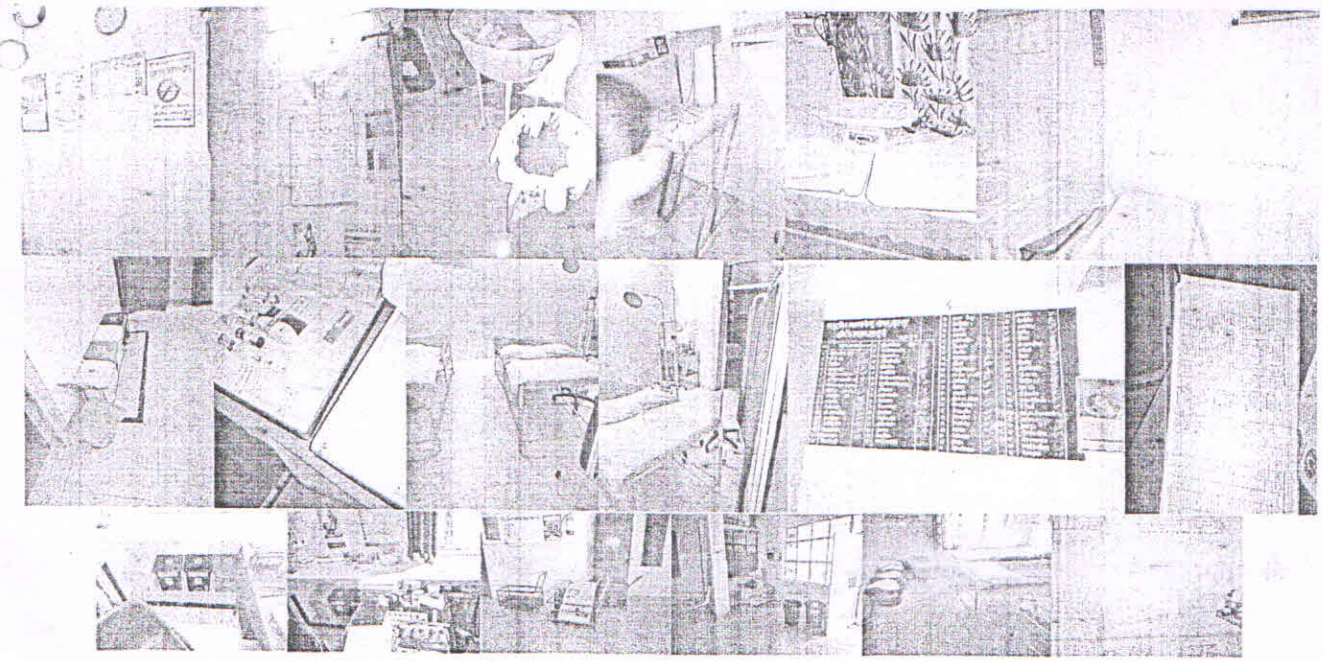

सामुदायिक गतिविधियॉ : ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस सत्र।
ग्राम–सरथल हमीद, पूर्व प्रधान अशोक की बैठक।
सम्पर्क : ए.एन.एम.–श्रीमती अर्चना। आशा:– श्रीमती गीता। ऑगनबाड़ी कार्यकत्री:– श्रीमती हेमरानी।

टीम द्वारा वी0एच0एन0डी0 सत्र का अवलोकन किया गया। सामुदायिक स्तर की गतिविधियों के आकलन हेतु टीम द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुरुप विभिन्न विधाओं के सेवाप्राप्त 05 लाभार्थियों से सम्पर्क किया गया।

- ए0एन0सी0 चेकअप हेतु स्थान उपलब्ध नही था।
- ए0एन0सी0 एवं0 पी0एन0सी0 चेक अप की कोई समुचित व्यवस्था नही थी। एक कमरे में ही सब माता एवं शिशु बैठे थे एवं वही एक बेड पर चेकअप किया जाता पाया गया।
- सत्र स्थल पर प्रिण्टेड टैलीशीट नहीं पायी गयी। माइक्रोप्लान भी उपलब्ध नही था।
- हाई रिस्क प्रेगनेन्सी रजिस्टर उपलब्ध नहीं था। प्रसूती रिकार्ड, लक्षित दम्पत्ति सूची, आदि उपलब्ध नहीं पायी गयी।
- बच्चो की वजन मशीन उपलब्ध थी।
- पन्चर प्रुफ वाक्स एवं स्टेथस्कोप उपलब्ध था।
- यूरिन टेस्ट किट एवं ब्लड टेस्ट किट उपलब्ध थी।
- सत्र स्थल पर गर्भनिरोधक सामग्री उपलब्ध थी।
- कुपोषित बच्चों के परीक्षण के लिये एम0यू0ऐ0सी0 टेप उपलब्ध था, किन्तु उसका उपयोग नहीं किया जा रहा था।
- पोषाहार का वितरण भी नहीं किया जा रहा था। आशा का ग्राम प्रधान के साथ खाता नही खुला पाया गया। अनटाइड फन्ड का प्रयोग नही जाता पाया गया।
- प्राइमरी बच्चों हेतु आयरन की गोलियां 01 वर्ष से नही प्राप्त हुयी है।
- <u>गर्भवती स्त्री/माता से वार्ता–</u>

a. माता संगीता से हुयी वार्ता के कम में ज्ञात हुआ कि वह प्रसव उपरांत प्रथम बार केन्द्र आयी है एवं उसके पास कोई फोन भी नही आया है। श्रीमती संगीता द्वारा बताया गया कि उसका प्रसव जिला महिला चिकित्सालय में हुआ एवं कुल व्यय 4000/– तक आया है। 102 वाले रू0 200–400 एवं चिकित्सालय में तैनात कर्मचारी रूपये लेने के उपरांत ही सुविधाएं देते है।

b. माता ममता के तीन शिशु होने के उपरांत जिला महिला चिकित्सालय में नसबंदी करवायी गयीं किन्तु कुछ समय उपरांत वह विफल हो गयी। तब श्रीमती ममता द्वारा प्राइवेट डाक्टर से सम्पर्क किया गया।

उपरोक्त प्रकरण जांच का विषय है एवं मुख्य चिकित्साधिकारी जिला महिला चिकित्सालय में सक्षम अधिकारियों के सहयोग से जांच करते हुये सत्यता ज्ञात करने का प्रयास करें।

<u>संलग्न– चेकलिस्ट।</u>

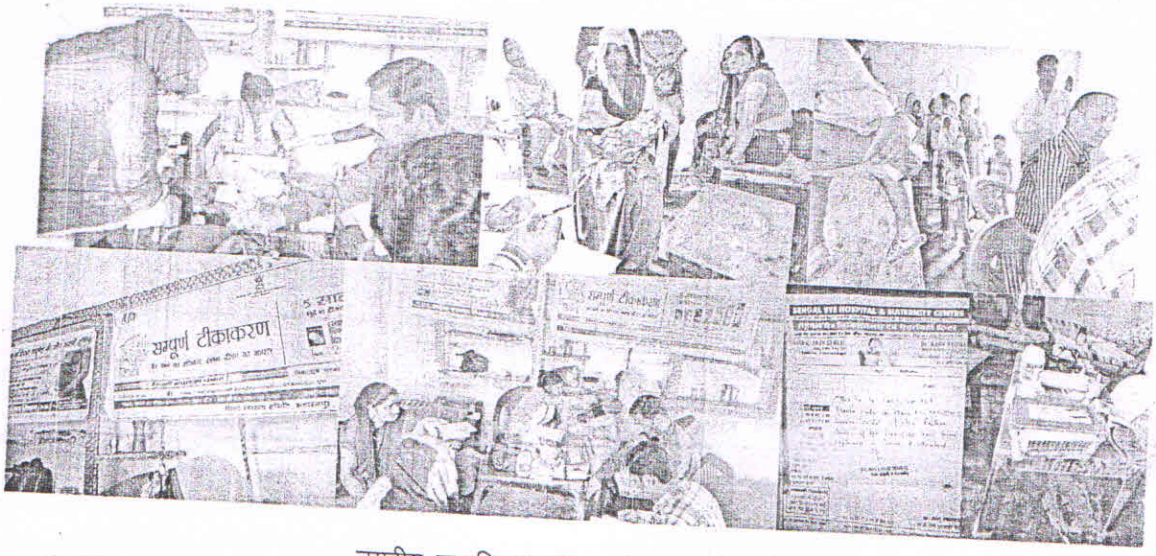

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र– गढ़ी मूलक

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में डा0 मिनू मित्तल, चिकित्सक एवं सुश्री शालू, सुश्री काजल एवं सुश्री चिन्ना 03 स्टाफ नर्स, जिसमे 02 PPIUCD प्रशिक्षित तैनात है किन्तु उक्त डिलिवरी पॉइन्ट होने के उपरांत भी वित्तीय वर्ष 2018–19 मे मात्र 02 प्रसव कराये गये। श्री अशोक कुमार, फार्मासिस्ट के अनुसार जितनी औषधियों का इन्डेंट दिया जाता है उतनी औषधियां प्राप्त नही होती।	मानव संसाधन समुचित होने के उपरांत भी प्रसव न होने का कारण उपकरणों एवं संसाधनों की कमी है एवं उक्त हेतु समुचित संसाधन/औषधियां एवं उपकरणों को लगाये जाने हेतु अग्रेत्तर कार्यवाही का सुझाव दिया गया।	महाप्रबंधक एन0यू0एच0एम0/ मुख्य चिकित्सा अधिकारी
चिकित्सालय परिसरः–		
परिसर सरकारी भवन में स्थापित है, जिसके सुदृढीकरण की आवश्यकता है। साफ–सफाई की विशेष आवश्यकता है। सिटीजन चार्टर डिस्प्ले नही था। ई0डी0एल0 का प्रदर्शन किया गया था किन्तु अपडेट नही किया गया था। कक्ष व्यवस्थित नही थे। आवश्यक दवाईयॉ एवं उपकरण उपलब्ध नही पाये गये। परिसर में ट्रासफमर लगा हुआ पाया गया एवं परिसर में सार्वजनिक पानी की टंकी पायी गयी।	चिकित्सालय भवन के सुदृढीकरण एवं ई0डी0एल0 को अपडेट करने का सुझाव दिया गया। परिसर में लगी सार्वजनिक पानी की टंकी को अन्यत्र लगवाने एवं ट्रासफमर मे लगे तारों को एवं उसके स्थान परिवर्तन का सुझाव दिया गया ताकि कोई अप्रिय घटना न हो सकें।	अर्बन कोआर्डिनेटर
ओ0पी0डी0:–		
स्टाफ नर्स ओ0पी0डी0 सेवायें प्रदान करती है। भ्रमण के दौरान ओ0पी0डी0 में एक भी मरीज नही थे। माह अगस्त में 2807 ओ0पी0डी एवं 83 ए0एन0सी0 हुयी है। 22 पी0पी0आई0यू0सी0डी0 हुयी है, किन्तु अभिलेख अद्यतन नही पाये गये।	मानक अनुसार आई0पी0डी0 की व्यवस्था कराने का प्रयास किया जाना एवं अभिलेखों को अद्यतन करने की आवश्यक है।	चिकित्सा प्रभारी/ स्टाफ नर्स
आई0ई0सी0:–		
आई0ई0सी0 उपलब्ध थे। परन्तु समस्त कार्यक्रमों की विभिन्न आई0ई0सी0 पर्याप्त नहीं थे।	अपडेटेड आई0ई0सी0 डिस्प्ले करने का सुझाव दिया गया।	अर्बन कोआर्डिनेटर
परिवार नियोजन–		
आई0यू0सी0डी0 इनसर्शन की सेवायें दी जा रही हैं। आई0यू0सी0डी0 इन्सर्शन के प्रिण्टेड रजिस्टर उपलब्ध नहीं थे।	जिला कार्यक्रम प्रबन्धक को प्रिण्टेड रजिस्टर्स उपलब्ध कराये जाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्साधिकारी
स्टाफ नर्स एवं फेमिली प्लानिंग एसोसिएट–पी0एस0आई0 द्वारा गर्भनिरोधक सामग्री का वितरण किया जा रहा था।	गर्भनिरोधक वितरण का रिकार्ड निर्धारित रजिस्टर में रखने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ
स्टाफ को योजनाओं के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं थी।	योजनाओं का भली भांति अध्ययन करने का सुझाव दिया गया।	अर्बन कोआर्डिनेटर

मातृत्व स्वास्थ्यः–		
गर्भवती महिलाओं की सूची उपलब्ध नही थी। प्रसव नहीं कराये जा रहे हैं। विगत 02 माह से प्रेगनेन्सी टेस्ट किट उपलब्ध नही थी।	ए0एन0सी0 रजिस्टर पाया गया किन्तु HRP रजिस्टर आदि बनाने की आवश्यकता है।	मुख्य चिकित्साधिकारी
लैब / दवा वितरण केन्द्रः–		
जांचें नही होती पायी गयी एवं दवा वितरण केन्द्र में लेबलिंग की आवश्यकता है।	दिशा–निर्देशों के अनुरुप समस्त जॉचें किये जाने एवं दवाओं की लेबलिंग कराने का सुझाव दिया गया।	फार्मासिस्ट

उपकेन्द्र –अम्बैहटा, ब्लाक– सदौली कदीम।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव / सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
चिकित्सालय परिसरः–		
परिसर में न तो कोई व्यक्ति उपस्थित पाया गया एवं न ही कोई उपकरण / औषधियां पायी गयी। परिसर खाली पड़ा हुआ है। ब्लाक गंगोई में हुयी आशाओं से वार्ता के कम में ज्ञात हुआ लगभग समस्त उपकेन्द्रो का यही हाल है।	ब्लाक प्रमुखों का दायित्व है कि अपने ब्लाक के समस्त उपकेन्द्रो को कियांवित कराने एवं नियमित सहयोगात्मक पर्यवेक्षण करना सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्साधिकारी / समस्त ब्लाक चिकित्सा प्रभारी

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र फन्दपुरी

सम्पर्क अधिकारी– डा0 सचिन, चिकित्सक।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव / सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
चिकित्सालय परिसरः–		
परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था संतोषजनक पायी गयी। चिकित्सालय में डा0 सचिन (4 दिवस), डा0 देवेन्द्र पाल (आयुर्वेदिक), डा0 पूनम (होमोपैथिक चिकित्सक मात्र मंगलवार) एवं श्री प्रमोद कुमार, होमोपैथिक फार्मासिस्ट श्री संजय वर्मा, वार्ड ब्याय, एवं 01 सफाई कर्मी तैनात है।	चिकित्सालय में समुचित मानव संसाधन तैनात होने के उपरांत भी आई0पी0डी0 नही है, जिसको कराने हेतु चिकित्सक / स्टाफ को परिसर में आवास करने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्साधिकारी
5'5 मैट्रिक्स डिस्प्ले नहीं था।	5'5 मैट्रिक्स उपयुक्त स्थानों पर लगाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा प्रभारी
ई0डी0एल0 का प्रदर्शन नहीं किया जा रहा था।	ई0डी0एल0 का प्रदर्शन कराया गया, नियमित रुप से किये जाने तथा प्रतिदिन अपडेट करने का सुझाव दिया गया।	फार्मासिस्ट
शिकायत पेटिका उपलब्ध नही था।	शिकायत निवारण पेटिका सही जगह लगाने व मानकानुसार क्रियाशील करने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा प्रभारी
आयुष		
आयुष के दो चिकित्सको की तैनाती के उपरांत दोनो विधाओं के चिकित्साकों द्वारा अलग–अलग अभिलेख नही पाये गये।	आर्युवेदिक एवं होमोपैथिक चिकित्सक को ओ0पी0डी0 के अपने अलग अलग रजिस्टर बनाने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्सक
आपातकालीन कक्षः–		
आपातकालीन कक्ष में Emergency Tray मे इक्सपाइरी इन्जेक्सन प्राप्त हुये।	नियमित रूप से दवाओं का निरीक्षण करने एवं Expiry लिस्ट बनाने का सुझाव दिया गया।	फार्मासिस्ट

आई0ई0सी0:–		
परिसर में भ्रमण के दौरान समस्त कार्यक्रमों की विभिन्न आई0ई0सी0 उपलब्ध नहीं थी।	विभिन्न कार्यक्रमों की अपडेटेड आई0ई0सी0 यथास्थान डिस्प्ले कराये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधिकारी
ओ0पी0डी0:–		
ओ0पी0डी0 कक्ष में स्वच्छता की कमी थी। प्रिण्टेड ओ0पी0डी0 रजिस्टर उपलब्ध नहीं था। परिसर में आते ही बिजली के बोर्ड में तार निकले पाये गये जिससे कभी भी अप्रिय घटना घटित होने की सम्भावना है।	स्वच्छता रखते हुए ओ0पी0डी0 में मरीजों की संख्या बढ़ाने हेतु रणनीति तय करने एवं मीटर बोर्ड को ठीक कराने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधिकारी
परिवार नियोजन–		
गर्भनिरोधक साधनों को स्टॉक निर्धारित फार्मेट पर मेन्टेन नहीं किया जा रहा है।	तीन माह का बफर स्टाक रखते हुए समय पर जनपद से मांग की जाये।	सम्बन्धित स्टाफ
स्टोर:–		
दवाईयों एवं उपकरणों को बहुत ही अव्यवस्थित तरीके से रखा गया था। अधिकतर औषधियां नही उपलब्ध पायी गयी एवं उक्त हेतु फार्मसिस्ट द्वारा बताया गया कि यदि 23 औषधियों का इन्डेंट दिया जाता है तो मात्र 14 ही प्राप्त हो पाती है।	दवाईयों एवं उपकरणों को व्यवस्थित तरीके से रखते हुए लेबलिंग करने का सुझाव दिया गया।	सी0एम0एस0डी0 स्टोर इंचार्ज / सम्बन्धित स्टाफ

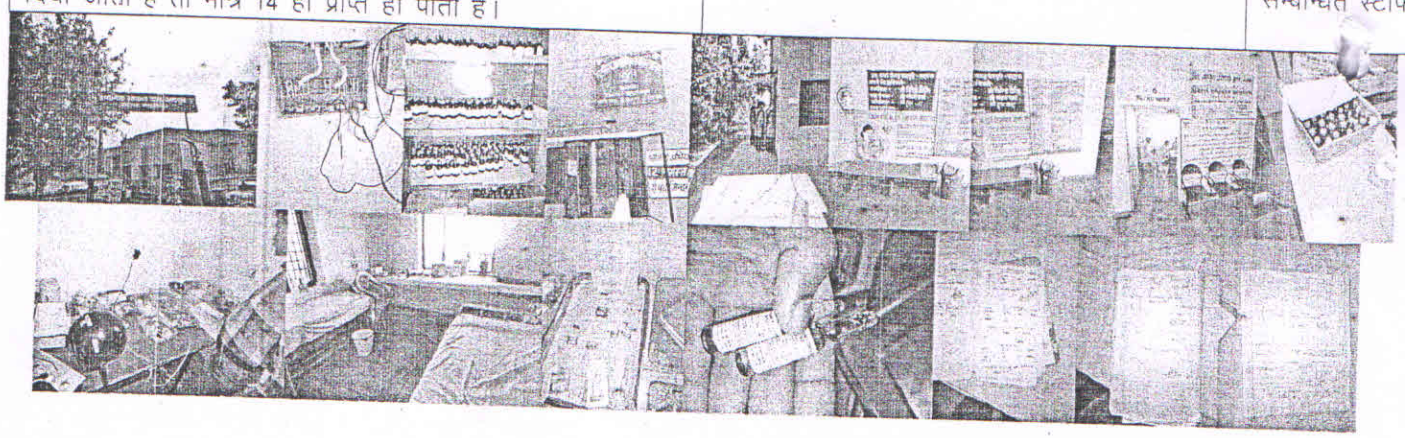

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आर0के0एस0के0)

1. प्राथमिक विद्यालय सरगथल हमीद, विकास क्षेत्र – ब्लाक पुवारका– टीम द्वारा भ्रमण पर उक्त विद्यालय दोपहर 12:00 बजे बंद पाया गया।
2. प्राथमिक विद्यालय बुढ़नपुर, विकास क्षेत्र – ब्लाक गंगोह

अवलोकन बिन्दु	सुझाव / सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
श्री सचिन कुमार, प्रभारी अध्यापक से हुयी वार्ता के कम में ज्ञात हुआ विद्यालय में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति एवं मापअप दिवस किया गया किन्तु निर्देशानुसार रजिस्टर पर अंकित नही किया गया। उक्त हेतु माह अगस्त 2018 में विद्यालय में टीम एवं ए.एन.एम आयी थी।	टीम द्वारा प्रभारी अध्यापक को दिशा–निर्देशानुसार कृमि मुक्ति दिवस एवं मापअप दिवस में रजिस्टर पर Single & Double Tick किस प्रकार अंकित करना बताया गया। उक्त हेतु अभिलेखों को अद्यतन किये जाने की आवश्यकता है।	डी0आई0सी0 मैनेजर / प्रभारी अध्यापक
विद्यालय में कुल 125 विद्यार्थी है। नियमित रूप से आर0बी0एस0के0 टीम द्वारा भ्रमण किया जाता है एवं टीम द्वारा कुछ विद्यार्थियों को चिकित्सालय में नेत्र आदि हेतु इलाज कराया गया है। प्रभारी अध्यापक के पास अपातकालीन स्थिति में चिकित्सक / चिकित्सालय के नम्बर नही पाये गये।	प्रभारी को विद्यालय में चिकित्सक / चिकित्सालय के दूरभाष नम्बरं उपलब्ध करा कर जागरूक किया गया।	प्रधानाचार्य / प्रभारी अध्यापक

[illegible]शालेय आयरन एवं फोलिक एसिड संपूर्ण कार्यक्रम (W[illegible]) के अन्तर्गत पिंक एवं ब्लू आयरन की गोलियां उपलब्ध पायी गयी एवं प्रिन्टेड रजिस्टर भी भरा हुआ पाया गया।	टीम द्वारा विद्यार्थियों को नियमित रूप से आयरन की गोलियां खिलाने का सुझाव दिया गया।	अध्यापक
विद्यार्थियों से वार्ता के कम में ज्ञात हुआ कि विद्यार्थियों को आयरन एवं Albandazole आदि दवाओं के उपयोग एवं महत्ता का एवं साफ सफाई आदि का समुचित ज्ञान है।	विद्यार्थियों को स्वास्थ्य संबधित नियमित ज्ञानवर्धन की आवश्यकता है।	अध्यापक

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र –पुवॉरका,
सम्पर्क अधिकारी– डा0 विकास पाल, चिकित्सा अधीक्षक।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव / कृत सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
मानव संसाधन		
बी0पी0एम0 द्वारा जानकारी दी गयी कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पुवॉरका में 04 चिकित्सक तैनात है जिसमें [illegible] का NSSK का प्रशिक्षण हो चुका है एवं 03 स्टाफ नर्स जिसमें 01 SBA 01 PPIUCD एवं 01 NSSK प्रशिक्षित है। माह अगस्त 18 में कुल 11393 OPD एंव 188 IPD करायी गयी। कुल ANC 148 एवं समान्य प्रसव 78 कराये गये।	चिकित्सा अधिक्षक महोदय को C-section भी कराने हेतु अग्रेतर कार्यवाही करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रमः–		
वाहनों पर कार्यक्रम का लोगो एवं बैनर नही लगा था। रजिस्टर में सम्पर्क नम्बर दर्ज थे। बेबी वजन मापने की मशीन क्रियाशील नही थी। शिकायत पुस्तिका उपलब्ध नही थी। आर0बी0एस0के0 की टीम में उपकरणों की कमी पायी गयी। टीम के पास Heightometer, Digital Weight Machine नही थी एवं लैपटॉप खराब पाया गया। प्राइमरी बच्चों हेतु आयरन की गोलियां 01 वर्ष से नही प्राप्त हुयी है। चिकित्सालय परिसर में आर0बी0एस0के टीम के बैठने का कोई स्थान नही आवटित किया गया था। टीम को एक अलमारी दी गयी थी।	मानक अनुसार व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया। चिकित्सा अधीक्षक महोदय के सहयोग से टीम को एक कक्ष आवंटित किया गया ताकि अभिलेखों इत्यादि के कार्य टीम चिकित्सालय में आकर करें।	सम्बन्धित अधिकारी / स्टाफ
ई0एम0टी0एसः–		
परिसर में खडी 108 एम्बूलेंस UP 41 G 3239 का टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। वाहन चालक की लाग बूक अद्यतन नही पायी गयी। स्ट्रेचर खुलवाकर एवं आक्सीजन सीलेडर देखा गया एवं कियाशील पाये गये। वाहन में दवाओं अच्छी तरीके से लेबलिंग के साथ उपलब्ध पायी गयी। वाहन रोगी को ले जा रहा था। रोगियों से वार्ता के कम में ज्ञात हुआ कि समस्त एम्बूलेंस रोगियों से धन की मांग करते है।	अधिकारियों द्वारा एम्बूलेंस की नियमित मानीटरिंग करने का सुझाव दिया गया। धन उगाही हेतु जांच कर नियामानुसार कार्यवाही करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक / ई0एम0ई

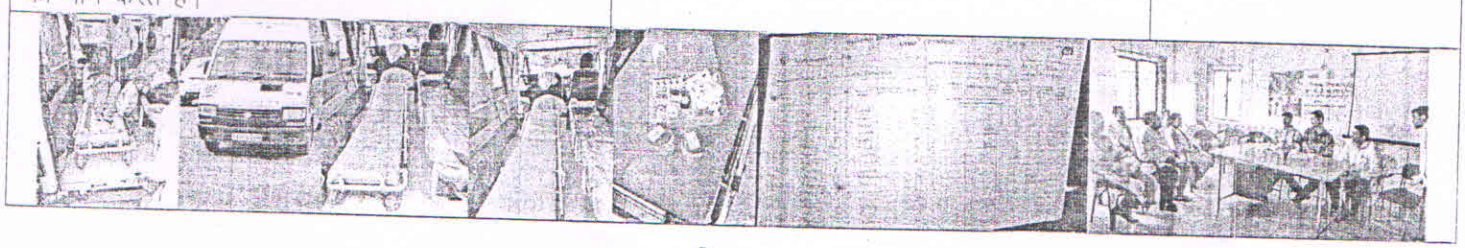

आशा HBNC प्रशिक्षण		
आशा HBNC 5 दिवसीय 6 व 7 माड्यूल प्रशिक्षण संचालित पाया गया। प्रशिक्षण में कोई भी प्रतिभागी रात में नही रूकता पाया गया। प्रशिक्षण में किट्, भोजन आदि व्यवस्थाएं संतोषजनक पायी गयी। आशाओं को अपने मानदेय Insentives आदि का समुचित ज्ञान नही पाया गया। आशा संगनी से हुयी वार्ता के कम में किसी के पास अपनी समस्त आशाओं को रिकार्ड पूर्ण उपलब्ध पाया गया। आशा संगनी में मात्र 01 संगनी श्रीमती मालती ने अपनी समस्त आशाओं का VHNC खाता खुलवाया हुआ था।	आशाओं को प्रोत्साहित करके रात्री में रूकने का प्रयास कर अधिक से अधिक अभ्यास करने का सुझाव दिया गया एवं नियमित प्रशिक्षणों का निरीक्षण करने का सुझाव दिया गया। समस्त आशाओं के खाता खुलवाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा प्रभारी एवं डी0सी0पी0एम0 / बी0सी0पी0एम0

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र –गंगोह,
सम्पर्क अधिकारी– डा0 अनवर अंसारी, चिकित्सा अधीक्षक।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव / कृत सुधारात्मक कार्यवाही	जिम्मेदारी
आशा HBNC प्रशिक्षण		
• आशा HBNC 5 दिवसीय 6 व 7 माड्यूल प्रशिक्षण संचालित पाया गया। प्रशिक्षण में किट्, भोजन आदि व्यवस्थाएं असंतोषजनक पायी गयी। प्रशिक्षण में कोई भी प्रतिभागी रात में नही रूकता पाया गया एवं कारण बताया गया कि भोजन अत्यंत कम मात्रा में एवं खराब दिया जाता है एवं पानी तक की व्यवस्था नही है। • आशाओं को अपने मानदेय Insentives आदि का समुचित ज्ञान नही पाया गया। • ब्लाक लेखा प्रबंधक (बैम) से वार्ता के अनुसार कोई भुगतान लम्बित नही है। किन्तु आशाओं से हुयी वार्ता के अनुसार 2 वर्ष से PPIUCD की धनराशि नही प्राप्त हुयी है। प्रसव करवाने का भुगतान होने मे लगभग 03 माह का समय लगता है। • बेबी आशा, ग्राम जानखडा, नगीना (माता) मंगराज (पिता) का जन्म 12/06/17 को होने के उपरांत तद्दिनांक तक भुगतान नही प्राप्त हुआ है। (आशा द्वारा लिखित सूचित संलग्न)	• चिकित्सा अधीक्षक स्वयं भोजन का निरीक्षण करे एवं क्या कारण है जब प्रत्येक प्रशिक्षण हेतु राज्य स्तर से 76000/– एवं अन्य मद से धनराशि मिलने के उपरांत भी इतना खराब भोजन दिया जा रहा है। पानी आदि मूलभूत सुविधाओं हेतु अग्रेतर कार्यवाही का सुझाव दिया गया। • आशाओं के अभिमुखिकरण की आवश्यकता है। • ब्लाक लेखा प्रबंधक और आशाओं के मध्य समन्वय स्थापित कर बाधाओं को दूर करते हुये समस्त भुगतान का सुझाव दिया गया। • ब्लाक लेखा प्रबंधक समस्त पूर्व के लम्बित भुगतान की लिस्ट तैयार कर भुगतान हेतु अग्रेतर कार्यवाही सुनिश्चित करें।	चिकित्सा प्रभारी एवं डी0सी0पी0एम0 / बी0सी0पी0एम0 ब्लाक लेखा प्रबंधक

Saurabh
3/10/18

Saurabh Tewari
Technical Consultant
SPMU, NHM

03/10/18
Ashwini Kr
GM MP (E.P.)
Nodal - Sadhna Mandal Div